

Title: Valedictory references made on the conclusion of second session of Thirteenth Lok Sabha.

17.37 hrs.

SHRIMATI SONIA GANDHI (AMETHI): Mr. Speaker, Sir, we have come to the end of a very short Session, nevertheless a most significant Session. Important business has been transacted in the House. Keeping the interest of the country and the people uppermost in our minds and hearts, we have supported the Government in passing certain legislations. At the same time, we have stood firm wherever we felt that certain proposals were weak. Where these proposals were weak, we suggested certain amendments which were incorporated in the Bill.

Mr. Speaker, Sir, you have a most difficult and onerous job to perform. Our democracy is the most vibrant one as has been demonstrated here in this House on many occasions. There have been occasions, especially in the last two days, where some Members have crossed the Lakshman Rekha. However, you have dealt with the Members with patience and kindness. We are grateful to you for dealing with all of us in such a manner.

We are now about to enter a new millennium. Let us all renew our pledge to those who have supported us, who have voted for us, those whom we represent and again to work in great earnest for their upliftment, for their well-being, their welfare and their safety.

I would like to thank you, Sir, once again.

I would like to extend to you and through you to the hon. Prime Minister, to his Government and to each one of you in the House, all the Members in the House all my good wishes and also the good wishes on behalf of my Party for a very happy New Year and for a wonderful new millennium.

"> प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सत्र समाप्त पर है। यदि पूरे सत्र पर नजर डालकर देखें तो जहां तक कानूनों का सवाल है, इस सत्र में हमने काफी कानून बनाये हैं। विधायी कार्य में शायद पहली बार इतना योगदान मिला है। यह सबके सहयोग से संभव हुआ है, विशेषकर प्रतिपक्ष के सहयोग से। दूसरे सदन में हमारा बहुमत नहीं है। कुछ महत्वपूर्ण विधेयक जो पारित हुए हैं वे प्रतिपक्ष के सहयोग से हुए हैं, इसके लिए सरकार आभारी है। सचमुच में जब हम प्रतिपक्ष में थे तो इसी तरह का रचनात्मक रवैया अपनाते रहते थे। दो दिन जो कुछ हुआ है अगर वह टाला जा सकता या और अच्छे ढंग से बात कहने का तरीका निकाला जा सकता, तो मैं समझता हूँ कि सदन की गरिमा बढ़ती, भारतीय लोकतंत्र अधिक बलशाली होकर निकलता। जब सत्र आरम्भ हुआ था तो मैंने आश्वासन दिया था कि इस सत्र में हम महिला आरक्षण विधेयक लायेंगे, उसे इंट्रोड्यूस करेंगे और फिर विचार के लिए वह विधेयक प्रसारित होगा। विधेयक का शब्द अंतिम शब्द नहीं है। लेकिन लोगों के साथ किये गये आश्वासन को पूरा करने की भी एक जिम्मेदारी थी। विधेयक पेश हो गया

">... (व्यवधान)

">

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वेशाली) : कहां हुआ

... (व्यवधान)

नहीं हुआ।

">

"> अनेक माननीय सदस्य: नहीं हुआ, नहीं हुआ।

... (व्यवधान)

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अच्छा होता अगर और अच्छे वातावरण में विधेयक पेश होता।

">

"> श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : प्रधान मंत्री जी वातावरण ठीक करिये, अब ऐसा सवाल मत उठाइये। बिल पेश नहीं हुआ है। अब आप जो कर रहे हैं, अब इस तरह से मत आइये। आप अच्छा वातावरण बनाइये,

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अब आप भी ऐसा

... (व्यवधान)

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : यह सत्तापक्ष की तरफ से अफवाह है कि किया जा रहा है

... (व्यवधान)

">

"> अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आर.एस.एस. के रयूमर्स स्प्रैडिंग सोसाइटी के लोग ऐसा कह रहे हैं।

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: बीच में टोका-टाकी न तो यह चौड़े दिल और न चौड़ी छाती की परिचायक है।

">

"> श्री मुलायम सिंह यादव : प्रधान मंत्री जी, आप तो टिप्पणी करने लगे, हम समझते थे कि सदन का वातावरण ठीक करेगे।

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, विधेयकों पर विवाद होते हैं और उन विवादों में से रास्ता निकाला जा सकता है। मैंने सर्वानुमति की बात कही थी, कान्सेन्सज की ओर कान्सेन्सज स्थापित करने का प्रयास हुआ। अभी मुझ पर जिद्दी होने का आरोप लगाया जा रहा था। यह दो दिन में पता लग गया कि कौन जिद्दी है, कौन सबके साथ चलने को तैयार नहीं है

">... (व्यवधान)

"> अध्यक्ष महोदय, इस सिद्धांत का कोई विरोधी नहीं है कि महिलाओं के लिए आरक्षण होना चाहिए। मतभेद इस बात पर है कि ३३ प्रतिशत हो, १५ प्रतिशत हो या २० प्रतिशत हो।

">

"> श्री मुलायम सिंह यादव : दस पर नहीं है।

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: मतभेद इस बात पर है कि चुनाव की प्रक्रिया क्या हो। क्या सीटों की अदला-बदली हो या रोटेशन हो। हमारे पुरुष सदस्यों को यह चिंता है कि जिन सीटों पर वे जीत कर आये हैं वे कहीं उनके लड़ने लायक भी न रहे, जहां से वे खड़े न हो सकें। कहीं ऐसी परिस्थिति पैदा न हो जाए, इसका हल निकाला जा सकता है। अभी चुनाव कमीशन एक और हल लेकर आया है। मुलायम सिंह जी अच्छे-अच्छे सुझाव देते रहे हैं और अगर वह कोशिश करेंगे तो उनके अच्छे सुझाव अभी थोड़े लोग मानते हैं, ज्यादा लोग मानने लगेंगे।

">

"> अध्यक्ष महोदय, और अगर नहीं मानेंगे तो दूसरों के जो सुझाव होंगे वे मुलायम सिंह जी मानने लगेंगे। कोई न कोई रास्ता निकालना ही पड़ेगा और सब मिलकर रास्ता निकाल सकते हैं। यह संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। अध्यक्ष महोदय, मैं ४० साल से यहां हूँ। जो घटनाएं पिछले दो दिनों में हुई हैं, ऐसी घटनाएं पहले कभी नहीं हुई थीं और न कभी आगे होंनी चाहिए। धक्का-मुक्की की नौबत आ जाए, बाहर जाकर हम अपना क्या मुंह दिखाएंगे, बड़े दुख की बात है, लेकिन अब समाप्त हो रही है। अन्त भला तो सब भला।

... (व्यवधान)

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इसकी जिम्मेदारी सरकार पर है। इतनी हठधर्मिता सरकार की तरफ से दिखाया जाना कि जो बिल तैयार है, उसी को इंट्रोड्यूस करेंगे। पंचायत की मानेंगे, लेकिन खूटा वहीं गाड़ेंगे। इसमें कसूर किसा का है, सरकार की जिम्मेदारी है।

">... (व्यवधान)

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: खाली सरकार नहीं, सरकार के साथ पूरा प्रतिपक्ष भी शामिल है, आपको छोड़कर।

... (व्यवधान)

">

"> अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, इतनी जोर से क्यों बोलते हैं। आप कृपया बैठ जाइए।

">

"> श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, आपको हम सचमुच में धन्यवाद देना चाहते हैं। 'बालयोगी' के रूप में आपने जिस गंभीरता का प्रदर्शन किया है, वह इ शंसनीय है। हमें तो यह सोचते हुए चिन्ता होती है कि अगर आप 'बालयोगी' की जगह 'पूर्णयोगी' हो गए, तो फिर साधारण जन का क्या बनेगा। आपने पूर्ण कुशलता से सदन का संचालन किया। सदन अच्छे वातावरण में समाप्त हो रहा है। मैं प्रतिपक्ष को धन्यवाद दे चुका हूँ। प्रतिपक्ष की नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी को, अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं का भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ। लोक सभा सचिवालय को अतिरिक्त काम करना पड़ रहा है, कठिन स्थिति का सामना करना पड़ा है। उसके सदस्यों को भी मैं धन्यवाद देता हूँ।

">

"> अध्यक्ष महोदय, आप तो हमारे सबके धन्यवाद और आभार के पात्र हैं ही, मैं आपको और पूरे सदन को अपनी ओर से नए वर्ष की शुभकामनाएं देता हूँ और नए मिलोनिमय की भी शुभ कामनाएं देता हूँ। जब हम मिलेंगे, तो अच्छे वातावरण में मिलेंगे और दो दिन जो कुछ हुआ, उसकी याद भुलाकर मिलेंगे। धन्यवाद।

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, नियम ५, २२१, २४३, २४५ को देखिए। ... (व्यवधान)

">

"> अध्यक्ष महोदय : नहीं, नहीं। रघुवंश प्रसाद जी, इस समय कुछ कहने की जरूरत नहीं है। कृपया बैठिए।

">

">

... (व्यवधान)

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : श्री राजेश रंजन, पप्पू यादव, जेल में रह कर जीते, लेकिन अभी तक सदन को सूचना नहीं दी गई, यह अच्छा नहीं है और इस सरकार में तीन-तीन मंत्री चार्जशीटें हैं, तो पप्पू यादव जी को क्यों जेल में रखा गया है? ... (व्यवधान)

">

"> अध्यक्ष महोदय : नहीं, रघुवंश प्रसाद सिंह जी, आप बैठिए।

">

">

... (व्यवधान)

">

"> डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इसलिए मेरा आग्रह है कि इन सभी नियमों के विचार किया जाए।

">... (व्यवधान)

">

">SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): I wish you all a very happy Christmas.

">

MR. SPEAKER: Hon. Members, the Second Session of the Thirteenth Lok Sabha which commenced on 29th November, 1999 is coming to an end today. In this Session, we had a total of 19 sittings spreading over 127 hours and 41 minutes.

"> During the Session, the House transacted several important financial and legislative business, besides other business. The Supplementary Railway Budget and the General Budget for the year 1999-2000 were passed by the House.

"> The Lok Sabha also passed 21 Bills, including the Insurance Regulatory and Development Authority Bill, 1999; the Prevention of Money-Laundering Bill, 1999; and the Foreign Exchange Management Bill, 1999. The Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Bill, 1999; the Central Vigilance Commission Bill, 1999; and the Patents (Amendment) Bill, 1999, were referred to Joint Committees of both the Houses.

"> The House had fruitful debates on five important matters of urgent public importance under Rule 193. These were: Loss of life and property due to super-cyclone in Orissa and the need to declare it as a national calamity; Problems being faced by farmers in various parts of the country; Issue of national security and rise of militancy in various parts of the country, especially in North-East and Jammu and Kashmir; Disinvestment Policy of the Government; and the Functioning of Prasar Bharati.

"> Five important matters were raised by way of Calling Attention in response to which statements were made by the concerned Ministers. In addition, as many as seven statements were made by Ministers on different matters. Six Half-an-Hour Discussions were also raised in the House. Out of 380 Starred Questions listed during the Session, 70 Questions were answered orally.

"> During the Session, 48 Private Members' Bills were introduced out of which one was discussed inconclusively. Two Private Members' Resolutions were discussed.

"> Hon'ble Members raised 162 matters under rule 377. Besides, 259 members raised matters of urgent public importance during the 'Zero Hour'.

"> I take this opportunity to thank all the Hon'ble Members for the kind cooperation extended to me, the

Honorable Deputy-Speaker, and my colleagues in the Panel of Chairmen in transaction of business of the House. I am extremely grateful to the Honorable Leader of the House, the Honorable Leader of the Opposition, the Leaders of various parties and groups as well as the Chief Whips and Whips for their cooperation and courtesy extended to me. The entire listed business could be completed because of the willing cooperation of all Members even though they had to sit late on as many as 12 out of 19 days.

"> During the Session period, the BPST of Lok Sabha Secretariat organised a week long Orientation Programme for the new Members of the present Lok Sabha. The response of the new Members was indeed overwhelming. I thank all the participants and also the dignitaries constituting the Faculty for their cooperation and interest in the Programme.

"> Honorable Members, this is the last Session of the Lok Sabha in this century and in a few days time we will be entering into the millennium year. As the elected representatives of a billion strong people we bear a great responsibility to fulfil their hopes and aspirations and build a prosperous, strong and vibrant India. Let us resolve to achieve in the next century whatever we missed in the present one.

"> May I now wish you all a merry Christmas and a happy and prosperous millennium year.

"> _____

">17.52 hrs.

"> (The National Song was played.)

"> _____

">MR. SPEAKER: The House stands adjourned sine die.

">17.53 hours

"> The Lok Sabha then adjourned sine die.

"> _____